## पत्री सतीश कुमार

अकादेमी पुरस्कार:
कर्नाटक वाद्य संगीत (मृदंगम)

## PATRI SATISH KUMAR

Akademi Award:
Carnatic Instumental Music (Mridangam)

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में 3 अगस्त 1970 को जन्मे, श्री पत्री सतीश कुमार ने मृदंगम वादन का प्रारम्भिक प्रशिक्षण आर. श्री रामचंद्रमूर्ति से प्राप्त किया। बाद में, आपने श्री वी. ए. स्वामी और श्री वी. नरसिम्हन जैसे गुरुओं के संरक्षण में अपनी कला को निखारा। आपका सम्बंध मुल्लापुडी सम्प्रदाय से है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन के 'शीर्ष' श्रेणी के कलाकार, श्री पत्री सतीश कुमार ने कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में न केवल एकल प्रस्तुतियाँ दी है बल्कि देश–विदेश में कर्नाटक संगीत के कई दिग्गज कलाकारों के साथ संगत भी किया है। आपने मृदंगम पर कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है और बहुत से छात्रों को मृदंगम वादन का प्रशिक्षण भी दिया है।

गजाना, गथी, जाति और नदई नामक एक नई अवधारणा आपने दी है। आपने एक छात्रोपयोगी पुस्तक पत्री...001 एसआईआर (साउथ इंडियन रिदम्स) की भी रचना की है। आप कई नवीन तालों के सर्जक हैं।

कर्नाटक वाद्य संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, श्री पत्री सतीश कुमार को कई उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें कांची कामकोटि पीठम द्वारा दी गई आस्थाना विद्वान की उपाधि (2006) और सन् 2019 में कैलिफोर्निया के बर्कले विश्वविद्यालय से मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि भी शामिल हैं।

श्री पत्री सतीश कुमार को कर्नाटक वाद्य संगीत (मृदंगम) में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 3 August 1970 at Vizianagaram in Andhra Pradesh, Shri Patri Satish Kumar received his initial training in Mridangam from R. Sree Ramachandramurthy and later polished his art under the tutelage of V.A. Swamy and Shri V. Narasimhan. He belongs to the Mullapudi Sampradaya.

A 'Top' grade artist of All India Radio and Doordarshan, Shri Patri Satish Kumar has performed in many prestigious music festivals as a soloist and also accompanied many stalwarts of Carnatic music in India and abroad. He has conducted many seminars and workshops on Mridangam, and has trained many students.

The introducer of a new concept titled Gajaana, the **Ga**thi, **Jaa**thi and **Na**dai. He has published a book namely *PATRI....001 SIR (South Indian Rhythms)* for the benefit of students. He has created many new taalas.

For his contribution in the field of Carnatic instrumental music, Shri Patri Satish Kumar has received many titles and awards. These include the title of Asthana Vidwan bestowed by Kanchi Kamakoti Peetham (2006), and an Honorary Doctorate from the University of Berkley, California in 2019.

Shri Patri Satish Kumar receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2020 for his contribution to Carnatic instrumental music.